वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 245 | गुरुवार 22 जनवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय

राज्य सरकार देगी स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा

अशांत घोषित क्षेत्रों में स्थायी निवासियों की सम्पत्तियों की रक्षा के लिए आएगा विधेयक

एयरोस्पेस, डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग एवं सर्विस इकाइयों को राजस्थान में मिलेंगी विशेष रियायतें

कलक्टर की पूर्वानुमति से ही अचल संपत्ति को बेचा व खरीदा जा सकेगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में अशांत घोषित क्षेत्रों में स्थायी निवासियों की सम्पतियों एवं किरायेदारों के अधिकारों के संरक्षण के लिए विधेयक लाने, एयरोस्पेस एवं रक्षा विनिर्माण तथा सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में नई नीतियों के अनुमोदन सहित कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि दि राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ ट्रांसफर ऑफ इम्मूवेबल प्रोपर्टी एण्ड प्रोविजन फोर प्रोटेक्शन ऑफ टेनेन्ट्स फ्रॉम एविक्शन फ्रॉम प्रिमाइसेज इन डिस्टर्ब्ड एरियाज बिल, 2026 के प्रारूप को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दी गई। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि जनसंख्या असंतुलन की स्थिति बनने से सार्वजनिक व्यवस्था, सद्भाव एवं मेलजोल से रहने के सामुदायिक चरित्र पर प्रभाव पड़ता है। ऐसे क्षेत्रों में दंगे, भीड़ द्वारा हिंसा से अशांति की परिस्थिति उत्पन्न होने पर उस क्षेत्र के स्थायी निवासियों को अपनी स्थायी सम्पतियां कम दामों पर बेचने को मजबूर होना पड़ता है। ऐसे क्षेत्र विशेष को अशांत क्षेत्र घोषित किए जाने के बाद सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमति के बिना वहां अचल संपत्ति के हस्तांतरण को अमान्य एवं शून्य माना जाएगा।

सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमति से ही अचल संपत्ति का हस्तांतरण इच्छुक व्यक्तियों द्वारा किया जा सकेगा। विधेयक के इन प्रावधानों का उल्लंघन करने पर कारित अपराध गैर जमानती और संज्ञेय होगा जिसमें 3 वर्ष से 5 वर्ष तक कारावास और अर्थदण्ड की सजा देय होगी। पटेल ने बताया कि इस विधेयक के पारित होने के बाद राज्य में अशांत घोषित क्षेत्रों में स्थाई निवासियों की सम्पत्तियों एवं उक्त सम्पत्तियों पर किरायेदारों के अधिकारों को संरक्षण प्रदान किया जा सकेगा। साथ ही, राज्य में सामुदायिक सद्भावना एवं सामाजिक संरचना कायम रखी जा सकेगी।

डिफेन्स पॉलिसी का अनुमोदन

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि प्रदेश में रक्षा तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देने के साथ ही राजस्थान को एयरोस्पेस और डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग का महत्वपूर्ण हब बनाने के उद्देश्य से राजस्थान एयरोस्पेस एण्ड डिफेन्स पॉलिसी का अनुमोदन किया गया है। एमएसएमई, स्टार्टअप्स और नवाचार आधारित इकोसिस्टम के विकास पर केन्द्रित इस नीति के अंतर्गत प्रदेश में एयरोस्पेस एण्ड डिफेन्स क्षेत्र के विनिर्माण उद्यमों, उपकरण एवं घटक निमार्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं, प्रिसीजन इंजीनियरिंग इकाइयों और मेंटेनेंस, रिपेयर एवं ओवहॉलिंग से जुड़ी इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा।

भारत सरकार द्वारा इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन योजना के अंतर्गत स्वीकृत पूंजी सब्सिडी के 60 प्रतिशत के समतुल्य पूंजी अनुदान राज्य सरकार द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप दिए जाएंगे। पूंजीगत निवेश को बढ़ावा देने के लिए बैंकों अथवा वित्तीय संस्थानों से लिए गए टर्म लोन पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान भी उपलब्ध होगा। पर्यावरणीय परियोजनाओं की लागत का 50 प्रतिशत तक प्रतिपूर्ति, कैप्टिव पावर प्लांट हेतु सात वर्षों तक विद्युत शुल्क से शत प्रतिशत छूट तथा राजस्थान ग्रीन रेटिंग सिस्टम के अंतर्गत प्रमाणित इकाइयों को सहमति शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा सकेगी।

सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2025 को मंजूरी

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि कैबिनेट द्वारा अनुमोदित प्रदेश की पहली राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी राज्य को सेमीकंडक्टर विनिर्माण, डिजाइन, पैकेजिंग तथा संबद्ध इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में देश का प्रमुख गंतव्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह नीति निवेशकों को आकर्षित कर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देगी और उच्च तकनीक आधारित रोजगार के नए अवसर सृजित करेगी। राजस्थान सेमीकंडक्टर नीति का प्रमुख उद्देश्य सेमीकंडक्टर और सेंसर्स के क्षेत्रों में एंकर निवेश को आकर्षित करना, विश्व-स्तरीय सेमीकंडक्टर पार्कों का विकास करना तथा फैबलेस डिजाइन पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाना है। इसके साथ ही सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी एवं कौशल संवर्धन, रिसर्च एवं डेवलपमेंट तथा टैक्नोलॉजी ट्रांसफर को भी इस नीति के माध्यम से बढ़ावा दिया जाएगा। इस नीति के अंतर्गत सेमीकंडक्टर पार्कों में अक्षय ऊर्जा, जल दक्षता, पुनर्चक्रण और सर्कुलर पहलों के माध्यम से ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत अनुमोदित परियोजनाओं को आकर्षक प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे।

अहिंसा से विश्व शांति का मार्ग

आज विश्व अनेक प्रकार के संघर्षों, युद्धों, आतंकवाद और वैमनस्य से जूझ रहा है। शक्ति प्रदर्शन, हथियारों की होड़ और स्वार्थपूर्ण नीतियाँ मानवता को विनाश की ओर ले जा रही हैं। ऐसे अशांत वातावरण में अहिंसा ही वह एकमात्र मार्ग है, जो विश्व को स्थायी शांति की ओर ले जा सकता है। अहिंसा का अर्थ केवल शारीरिक हिंसा से दूर रहना ही नहीं है, बल्कि विचार, वाणी और कर्म से किसी को भी कष्ट न पहुँचाना है। जब मनुष्य अपने विचारों को शुद्ध करता है, वाणी को संयमित रखता है और कर्मों में करुणा लाता है, तभी अहिंसा का वास्तविक स्वरूप प्रकट होता है। यही स्वरूप विश्व शांति की नींव बन सकता है। भारतीय संस्कृति में अहिंसा को सर्वोच्च धर्म माना गया है। भगवान महावीर, भगवान बुद्ध और महात्मा गांधी ने अहिंसा को न केवल उपदेश के रूप में, बल्कि अपने जीवन के आचरण में उतारकर विश्व के सामने प्रस्तुत किया। महात्मा गांधी ने अहिंसा के बल पर ही भारत को स्वतंत्रता दिलाई और यह सिद्ध किया कि बिना हथियार उठाए भी बड़े से बड़ा परिवर्तन संभव है। विश्व स्तर पर यदि राष्ट्र अहिंसा के सिद्धांत को अपनाएँ, तो युद्ध और हिंसा की आवश्यकता ही समाप्त हो जाएगी। संवाद, सहिष्णुता, आपसी समझ और सहयोग से हर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है। हथियारों पर होने वाला अपार खर्च यदि शिक्षा, स्वास्थ्य और मानव कल्याण में लगाया जाए, तो विश्व स्वतः ही शांत और समृद्ध बन सकता है। अहिंसा केवल राष्ट्रों के लिए ही नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए भी आवश्यक है। परिवार, समाज और कार्यक्षेत्र में यदि हम अहिंसा को अपनाएँ, तो तनाव, द्वेष और संघर्ष स्वतः ही कम हो जाते हैं। करुणा, प्रेम और क्षमा जैसे गुण अहिंसा से ही जन्म लेते हैं और यही गुण शांति के सच्चे वाहक हैं। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि अहिंसा कोई कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल और नैतिक साहस का प्रतीक है। यदि व्यक्ति से लेकर राष्ट्र तक अहिंसा को जीवन दर्शन के रूप में अपनाएँ, तो विश्व शांति केवल एक सपना नहीं, बल्कि एक साकार वास्तविकता बन सकती है। अहिंसा ही वह प्रकाशमय मार्ग है, जो मानवता को अंधकार से निकालकर शांति, सद्भाव और प्रेम की ओर ले जाता है।

– अनिल माथुर ज्वाला-विहार, जोधपुर।

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन की महिला सदस्याएं तीन दिवसीय गोवा भ्रमण पर रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन की महिला सदस्याएं एवं सदस्यों की धर्मपत्नियां बुधवार को तीन दिवसीय गोवा भ्रमण के लिए रवाना हुईं। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष संजय अग्रवाल एवं चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने बताया कि क्लब द्वारा प्रतिवर्ष महिला सदस्यों और सदस्यों की जीवनसंगिनियों (स्पाउज) के लिए एक विशेष व 'एक्सक्लूसिव' कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसी श्रृंखला में इस वर्ष गोवा यात्रा का आयोजन किया गया है। क्लब के चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने महिला सदस्यों को हरी झंडी दिखाकर एयरपोर्ट के लिए रवाना किया और मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। इस भ्रमण के दौरान सदस्याएं गोवा में मनोरंजन एवं विश्राम के साथ-साथ वहां के स्थानीय रोटरी क्लबों के साथ मिलकर 'फेलोशिप' गतिविधियों में भी भाग लेंगी। क्लब सचिव आशीष बैद ने बताया कि इस यात्रा को लेकर महिला सदस्यों में भारी उत्साह है। इस पूरी यात्रा की मुख्य समन्वयक (चीफ को-ऑर्डिनेटर) सीमा नरेंद्र मित्तल हैं।

सीए अशोक-निशा ने श्योपुर मंदिर में 'चंद्रप्रभ विधान' कर मनाई विवाह की गोल्डन जुबली

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्योपुर, प्रतापनगर (सांगानेर) निवासी और लुनियावास के छाबड़ा परिवार के सीए अशोक कुमार जैन एवं रेनवाल के सेठी परिवार की सुपुत्री निशा जैन ने अपने विवाह की 50वीं वर्षगांठ (गोल्डन जुबली) श्रद्धापूर्वक मनाई। इस अवसर पर उन्होंने परिवार, सगे-संबंधियों, मित्रगणों एवं समाज की उपस्थिति में श्योपुर जैन मंदिर में मूलनायक तीर्थंकर चंद्रप्रभ भगवान का 'चमत्कारी चंद्रप्रभ विधान' भक्ति भाव के साथ संपन्न किया। मंदिर में प्रवास कर रहीं आर्यिका माताजी के सानिध्य और आशीर्वाद से यह विधान शास्त्री अमित जैन द्वारा विधि-विधान पूर्वक संपन्न कराया गया। कार्यक्रम की सुंदर व्यवस्था मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रकाश पाटनी, अशोक काशीपुरा सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा की गई। इस धार्मिक अनुष्ठान में पुष्पा-पदम जैन बिलाला, अंजू-अशोक, अवधेश-मोनिका, अभिषेक-नेहा (कोलकाता), रूपा, पवन-ललिता सेठी, संतोष-शेखर पाटोदी (सूरत) सहित गुवाहाटी, विजयनगर, रेनवाल, कालाडेरा और नोएडा जैसे विभिन्न स्थानों से पधारे परिजनों की सक्रिय सहभागिता रही। विधान के उपरांत सभी ने माला पहनाकर और मंगल कामनाएं देकर इस आदर्श जोड़ी का आत्मीय अभिनंदन किया।

ठिठुरते मौसम में राहत, मूक-बधिर विद्यार्थियों को ऊनी वस्त्र भेंट किए

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'जयपुर मेन' द्वारा सामाजिक सेवा कार्यों के अंतर्गत जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पुलिस स्मारक के पास स्थित सेठ आनंदीलाल पोद्दार राजकीय मूक-बधिर विद्यालय के कक्षा एक व दो के जरूरतमंद विद्यार्थियों को ऊनी वस्त्र, लेखन सामग्री एवं बिस्कुट के पैकेट भेंट किए गए। ग्रुप की सदस्य श्रीमती आशा कासलीवाल ने अपने पति स्वर्गीय सुरेंद्र कुमार कासलीवाल की स्मृति में इन सामग्रियों का वितरण किया। ये सभी विद्यार्थी आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि और विभिन्न समाजों से संबंधित हैं। विद्यालय में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'जयपुर मेन' के अध्यक्ष धनु कुमार जैन, मंत्री हीरा चंद बैद, विनोद कुमार, इंदु तोतूका, डॉ. णमोकार-पुष्पा जैन और मंजु पुरी छाबड़ा उपस्थित थे। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य भरत जोशी एवं अन्य शिक्षक गण भी मौजूद रहे।

दीपा सिंह को मिली पीएचडी की उपाधि

जयपुर. शाबाश इंडिया

आईआईएस यूनिवर्सिटी (IIS University), जयपुर की छात्रा दीपा सिंह को पीएचडी (डॉक्टरेट) की उपाधि प्रदान की गई है। दीपा ने पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग से अपना शोध कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। उनका शोध विषय 'एडॉप्शन ऑफ न्यू मीडिया इन प्रोग्रेसिव फार्मिंग विद स्पेशल रेफरेंस टू रूरल जयपुर' (Adoption of New Media in Progressive Farming with Special Reference to Rural Jaipur) रहा। यह शोध कृषि संचार और डिजिटल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के वर्तमान दौर में अत्यंत प्रासंगिक है। दीपा ने अपना शोध कार्य पर्यवेक्षक डॉ. शिप्रा माथुर एवं सह-पर्यवेक्षक डॉ. शैलजा के. जुनेजा के मार्गदर्शन में पूरा किया है। अपने शोध के दौरान दीपा सिंह ने ग्रामीण जयपुर के क्षेत्रों में प्रगतिशील किसानों द्वारा न्यू मीडिया के उपयोग, सूचना प्रसार के तरीकों, कृषि नवाचारों के संचार तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की बदलती भूमिका का गहन अध्ययन और विश्लेषण किया।

केशलोंच से पूर्व इंद्रियों के विषय-कषायों का त्याग जरूरी: आचार्य प्रज्ञासागर

फागी से माधोराजपुरा के लिए हुआ मंगल विहार, चाकसू महामस्तकाभिषेक के पोस्टर का विमोचन

फागी (संवाददाता). शाबाश इंडिया

कस्बे के अग्रवाल संत भवन में विराजमान आचार्य श्री 108 प्रज्ञासागर जी महाराज ससंघ का तीन दिवसीय धर्म प्रभावना के पश्चात माधोराजपुरा के लिए मंगल विहार हुआ। साधु सेवा समिति के प्रदेश सचिव राजाबाबू गोधा ने बताया कि विहार से पूर्व पार्श्वनाथ चैत्यालय में प्रातः अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात समाज के प्रबुद्ध जनों-पारस नला, अशोक नला एवं विनोद कुमार मोदी की अगुवाई में श्रीफल भेंट कर आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया गया। मन को स्थिर करना ही वास्तविक साधना धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा, 'आचार्य कुंदकुंद स्वामी के अनुसार मन को स्थिर करने से पूर्व तन को स्थिर करना आवश्यक है। व्यक्ति केशलोंच बाद में करे, पहले पांचों इंद्रियों के विषय-कषायों का त्याग करे।' उन्होंने जोर देकर कहा कि मन, वचन और काय से भटकना छोड़ने वाली साधना ही

तन-मन को मजबूत बनाती है। ऐसी साधना से व्यक्ति में सर्दी और गर्मी, दोनों ही परिस्थितियों में समत्व भाव जागृत होता है। मन की तुलना एक बालक से करते हुए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मेले में खोया बच्चा मां के मिलने पर शांत होता है, वैसे ही भटकते मन को जिनवाणी रूपी मां का सहारा मिलना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण का संकल्प आचार्य श्री ने समाज को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा, 'हमारा संकल्प एक करोड़ पेड़ लगाने का है। हर व्यक्ति जीवन में कम से कम एक पौधा लगाए और उसे वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखे, तभी जीवन की सार्थकता है।' अतिथियों ने किया पाद प्रक्षालन कार्यक्रम में सोहनलाल, महावीर प्रसाद, सत्येंद्र कुमार एवं सुकुमार झंडा परिवार ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन किया तथा शास्त्र भेंट कर आशीर्वाद लिया। विनोद कुमार एवं दीपक कुमार मोदी परिवार के यहाँ आचार्य श्री की निर्विघ्न आहार चर्या संपन्न हुई। चाकसू महामस्तकाभिषेक पोस्टर का विमोचन मंदिर अध्यक्ष महावीर झंडा एवं मंत्री कमलेश चौधरी ने बताया कि दोपहर 3:00 बजे जयकारों के साथ संघ का माधोराजपुरा के लिए विहार हुआ। यह संघ 29 जनवरी को चाकसू में आयोजित आदिनाथ भगवान के महामस्तकाभिषेक में सानिध्य प्रदान करेगा। इस अवसर पर चाकसू दिगंबर जैन समाज ने आचार्य श्री के कर-कमलों से 16वें महामस्तकाभिषेक की आमंत्रण पत्रिका एवं पोस्टर का विमोचन करवाया। कार्यक्रम में सकल जैन समाज के अनेक श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

– राजाबाबू गोधा (मीडिया प्रवक्ता, जैन महासभा, राजस्थान)

वेद ज्ञान

सर्व सौभाग्यदायिनी माँ विंध्यवासिनी

माँ विंध्यवासिनी सर्व सौभाग्य को प्रदान करने वाली परम कल्याणकारी सौभाग्यस्वरुपा देवी के रुप में पूजनीय है इनकी आराधना का फल अतुलनीय माना गया है। माँ विंध्यवासिनी का अलौकिक दरबार परम जाग्रत शक्तिपीठों में से एक है। कहा जाता है कि मातेश्वरी विंध्यवासिनी के इस दरबार में जो भी श्रद्धालु श्रद्धा एवं भक्ति पूर्वक मां के दर्शन करता है,वह मां कल्याणी देवी विंध्यवासिनी की कृपा से परम कल्याण का भागी बन कर दुर्लभ मुक्ति को प्राप्त करता है। इस कलिकाल में इनकी आराधना हर एक के लिए अनिवार्य बताई गई है। साधक जनों का मानना है कि किसी भी साधना को शुरू करने से पूर्व यदि मां विंध्यवासिनी की आराधना भक्ति व उनका आशीर्वाद प्राप्त नहीं किया तो उसका पूर्णरूपेण फल प्राप्त नहीं होता है। यही कारण है कि किसी भी देवी व देवता की कृपा प्राप्त करने से पूर्व इनकी कृपा व आशीर्वाद प्राप्त करना सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। शक्तिपीठों में शिरोमणि मां का यह दरबार ऊंचे स्थान पर लाल ध्वजा फहराता बड़ा ही मनोहारी व भव्य है। विंध्याचल में यह देवी तीनों रूपों में विराजमान है यहां देवी के तीन प्रमुख मंदिर हैं पहला विंध्यवासिनी जिन्हें भक्तजन कौशिकी देवी के नाम से भी पुकारते हैं, दूसरा मंदिर मातेश्वरी महाकाली और तीसरा अष्टभुजा मंदिर है अर्थात यहां देवी के तीन रूपों के दर्शन का सौभाग्य भक्तों को प्राप्त होता है। अनेक पुराणों में विंध्य क्षेत्र का सुन्दर शब्दों में वर्णन किया गया है। देश के प्रमुख 108 शक्तिपीठों में इस पीठ की गणना होती है। जगत का कल्याण करने वाले भगवान विन्ध्येश्वर महादेव का मंदिर भी विंध्याचल क्षेत्र में ही है। विंध्याचल की पहाड़ियों में कल कल धुन में नृत्य करती माँ गंगा के पवित्र पावन सानिध्य में यह स्थान जगत माता की ओर से भक्तजनों को अद्धितीय भेंट है। यहां का सौंदर्य बरबस ही आगंतुकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। त्रिकोण यंत्र पर स्थित विंध्याचल निवासिनी देवी की तीन रूपों महालक्ष्मी, महाकाली तथा महासरस्वती के रुप में पूजा होती है। त्रिकोण यात्रा के रूप में विंध्य पर्वत की यात्रा समस्त मनोरथ को पूर्ण करने वाली यात्रा कहीं गई है।

संपादकीय

विकसित भारत 2047 के सामने खड़ी एक चुनौती?

वैश्विक स्तर पर भारत आज स्वयं को 21वीं सदी की उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। विकसित भारत 2047 का लक्ष्य केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचे, शासन क्षमता, नागरिक सुरक्षा और जीवन गुणवत्ता में आमूलचूल परिवर्तन का वादा है। लेकिन इसी भारत में सड़कों पर गड्ढों, खुले मैनहोल, निर्माण सामग्री के बेतरतीब ढेर, अधूरे अंडर- कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स और प्रशासनिक

उदासीनता के कारण हर वर्ष हजारों लोग जान गंवा रहे हैं या स्थायी रूप से अपंग हो रहे हैं। नोएडा में 27 वर्षीय इंजीनियर युवराज मेहता की गड्ढे में गाड़ी फंसने से हुई दर्दनाक मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया। सोशल मीडिया पर यह मामला ट्रेंड कर रहा है, क्योंकि यह किसी प्राकृतिक आपदा का नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही का परिणाम था। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर नागरिकों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने सवाल उठाया कि क्या टैक्स देने वाले नागरिकों की जान की कोई कीमत नहीं है? क्या अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही की सजा केवल जांच और मुआवजे तक सीमित रहेगी? यह घटना केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र की विफलता का प्रतीक बन गई। गोंदिया राइस सिटी में भी रोडों पर हुए गड्ढों से परेशान लोगों ने भीख मांगो एक रैली निकाली जिसमें आम जनता से पैसे लेकर नगर परिषद को देने की बात कही गई ताकि वह गड्ढों को भर सके छत्तीसगढ़ की भाटापारासिटी में भी हमारे रिश्तेदार रोड पर पड़े गड्ढे के कारण एक्टिवा से गिर पड़े और करीब एक माह तक अस्पताल में भर्ती रहे बड़ी मुश्किल से बहुत महंगा ट्रीटमेंट करने के बाद उनकी जान बची। साथियों बात अगर हम भारत में सड़कों की खराब स्थिति एक संरचनात्मक संकट इसको समझने की करें तो भारत का सड़क नेटवर्क विश्व में दूसरा सबसे बड़ा है, जिसकी लंबाई 63 लाख किलोमीटर से अधिक है। इसके बावजूद सड़क सुरक्षा, गुणवत्ता और रखरखाव के मामले में भारत वैश्विक सूचकांकों में बेहद नीचे है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मामले में भारत लगातार विश्व में शीर्ष पर बना हुआ है। इनमें एक बड़ा कारण सड़कों की जर्जर स्थिति, गड्ढे, असमान सतह जलभराव और अवैज्ञानिक डिजाइन है। ग्रामीण भारत में स्थिति और भी भयावह है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़कें या तो जर्जर हैं या समय पर मरम्मत के अभाव में जानलेवा बन चुकी हैं। बरसात के मौसम में गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। पुरानी शहरी सड़कों पर नई पाइपलाइन, केबल और सीवेज के लिए की गई खुदाई महीनों तक खुली रहती है, और मरम्मत केवल कागजों में सटीक रूप से पूरी होती है। साथियों बात अगर हम निर्माण मलबा और अंडर- कंस्ट्रक्शन अव्यवस्था कुछ समझने की करें तो, भारत के शहरों में अंडर-कंस्ट्रक्शन मकानों और इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का मलबा सड़कों पर पड़ा रहना आम बात हो गई है।

परिदृश्य

अमेरिकी नियंत्रण

भिन्न-भिन्न मानव प्रजातियों द्वारा अनेक गत कालखंडों से कब्जाए गए देशों के सार्वजनिक जीवन का चालन-परिचालन व संचालन अब इस समय भी तत्समय की मानव प्रजातियों द्वारा स्थापित दृष्टिकोण के साथ ही होता है। भारत इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इस देश पर अंतिम कब्जाधारी थे अंग्रेज। ये ब्रिटेन अर्थात इंग्लैंड से आए थे। इनके कब्जे के आरंभिक दिनों से लेकर अब तक भी यह देश इनके द्वारा निर्धारित जीवन पद्धतियों से मुक्त नहीं हो पाया है। इन्होंने इस देश के वासियों को जीवन को देखने का जो दृष्टिकोण थमाया, वो अब भी यथावत है। जो अंग्रेजी भाषा सिखाई वो अब भी अग्रणी भाषा है। राजनीति, अर्थनीति, समाजनीति, संचारनीति, परिवारनीति तथा समग्र जीवननीति किंचित वही है, जो अंग्रेज सिखा गए। समग्र नीतियां किसी न किसी स्तर पर वही हैं, जो इस देश को लूटने आए लुटेरे यहां के लोगों को सिखा-पढ़ा गए। इसी का दुष्परिणाम रहा, जो यहां के लोग कल्पना में हिंदू जीवन दर्शन तथा व्यवहार में तरह-बेतरह का आयातित अभारतीय जीवन दर्शन जीते रहे। इसी कारणवश यहां हर विचार, भाव, आचार, व्यवहार तथा सरोकार विरोधाभासों से भर गया। इस स्थिति में अभी भी परिवर्तन नहीं आया है। हमारे देश में आजकल इसी कोण से वेनेजुएला की घटना पर सामाजिक, जनसंचारिक तथा व्यक्तिगत मंथन हो रहा है। अमेरिका का तिरस्कार हो रहा है, किंतु अमेरिका का वीजा प्राप्त करने तथा वहां बसने की महत्त्वाकांक्षाओं का त्याग नहीं हो रहा। ट्रंप को दोषारोपी के नए-नए विशेषणों से संबोधित किया जा रहा है, किंतु उसकी दृष्टि में अच्छा होने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। देश हो अथवा विदेश वास्तव में कौन किसके पक्ष में या विपक्ष में है, ज्ञात ही नहीं हो पाता। हर घटना के मूल में स्थापित समस्या तक किसी की भी दृष्टि नहीं पहुंच पाती। वेनेजुएला के राष्ट्रपति के बलात अपहरण की घटना, अपहरणकर्ता अमेरिकी राष्ट्रपति को साधारण विचारदृष्टि में अपराधी समझती है, किंतु अमेरिका में बढ़ती जोंबियों की संख्या को ध्यान में रख वेनेजुएला-प्रकरण पर विचार होगा, तो अमेरिका व ट्रंप दोनों उचित प्रतीत होंगे। जैसे भारत में मादक पदार्थों एवं चिट्टे के प्रसार से युवापीढ़ी का जीवन विनाश की ओर अग्रसर है, किंचित उसी भांति वेनेजुएला से अमेरिका पहुंचने व पहुंचाए जाने वाले मादक पदर्थों द्वारा अधिसंख्य अमेरिकी युवा जोंबी बन स्वयं का जीवन नष्ट कर रहे हैं। प्रायः देखा जाता है कि युवक अति मदिर चेतनशून्य हो परित्यक्त अमेरिकी गलियों में जैसे-तैसे पड़े रहते हैं। वे दिनों-महीनों तक ऐसे यूं ही पड़े होते हैं। उन्हें मादक पदार्थों से दूर करने के लिए अनेक प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। उनके लिए मादकता मुक्ति केंद्र बनाए जा रहे हैं। उनके पुनर्वास की योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। मादकता से मुक्ति हेतु संचालित इन सभी अमेरिकी व्यवस्थाओं पर विशाल धनराशि व्यय की जा रही है। इतना होने-करने के उपरांत भी अमेरिका मादक पदार्थों के दंश से ग्रस्त है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो तथा उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स को अमेरिकी डेल्टा फोर्स के सैनिकों ने 3 जनवरी 2026 को प्रातःकाल में यूं ही बंदी नहीं बनाया। अमेरिका ने निकोलस मादुरो को पकड़ने से पहले कई बार कठोर कार्रवाइयां कीं तथा चेतावनियां दी थीं। मार्च 2020 में अमेरिका ने आधिकारिक रूप में मादुरो पर नार्को-टेररिज्म अर्थात मादक पदार्थ जनित आतंकवाद के आरोप लगाए थे। इसके लिए उन पर 15 मिलियन डॉलर का पुरस्कार रखा गया था, जिसे 2025 में 50 मिलियन कर दिया गया। अगस्त में ट्रंप प्रशासन ने एक गुप्त निर्देश देते हुए चेतावनी दी थी कि कार्टेल्स के विरुद्ध सैन्य शक्ति का उपयोग किया जाए।

अंतरराष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता

मीनाक्षी वर्मा प्रथम और राजदीप द्वितीय स्थान पर रहे

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल राजस्थान हस्तशिल्प कला संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी का समापन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में देश-विदेश के फोटोग्राफर्स को उनकी उत्कृष्ट कृतियों के लिए पुरस्कृत किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सुधीर कासलीवाल ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने इस दौरान चर्चिल की फोटोग्राफी से जुड़े रोचक किस्से सुनाते हुए फोटोग्राफर्स के कौशल की सराहना की और उन्हें भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित आईएएस विक्रम सिंह चौहान ने संस्थान द्वारा वर्ष 1985 से अब तक किए गए कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया और फोटोग्राफी के क्षेत्र में संस्थान के निरंतर योगदान को सराहा। प्रतियोगिता में मीनाक्षी वर्मा ने प्रथम, राकेश शर्मा 'राजदीप' ने द्वितीय और अजीत नारंग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इनके अतिरिक्त पांच फोटोग्राफर्स को सांत्वना पुरस्कार से भी नवाजा गया। संस्थान के अध्यक्ष राजकुमार चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि फोटोग्राफी एक ऐसा सशक्त माध्यम है, जो हमें दुनिया के विभिन्न पहलुओं को नई दृष्टि से देखने और समझने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के रचनात्मक आयोजन करने का विश्वास दिलाया।

रिपोर्ट/फोटो: राजकुमार चौहान।

अमृत सेवा सप्ताह: संगिनी फॉरएवर ने वृद्धाश्रम में संजोई खुशियाँ

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के तत्वावधान में 'दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर' द्वारा 'अमृत सेवा सप्ताह' के अंतर्गत सेवा और समर्पण का एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर जौहरी बाजार स्थित वृद्धाश्रम में वृद्ध एवं निशक्तजनों के प्रति आत्मीयता प्रकट करते हुए एक भावपूर्ण धार्मिक एवं सामाजिक सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगिनी फॉरएवर की अध्यक्षा श्रीमती शकुंतला बिंदायका, सचिव श्रीमती सुनीता गंगवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती उर्मिला जैन एवं धार्मिक मंत्री श्रीमती अनीता जैन के नेतृत्व में समूह ने सभी वृद्धजनों को स्नेहपूर्वक भोजन कराया। इसके साथ ही वृद्धजनों के साथ केक काटकर खुशियाँ साझा की गईं। आश्रम के बुजुर्गों के चेहरों पर खिली मुस्कान ने कार्यक्रम के उद्देश्य को सार्थक कर दिया। इस गरिमामयी अवसर पर श्रीमती रचना वैद, श्रीमती सरोज जैन, सीमा सोनी, पूजा जैन (दिल्ली वाले), राजेश बड़जात्या, श्रीमती सीमा बड़जात्या, महावीर बिंदायका, श्रीमती अलका जैन, श्रीमती शीला जैन सहित संगिनी फॉरएवर के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सिर्फ क्रिया में धर्म नहीं, क्रिया के साथ आने वाला आनंद ही पुण्य है: मुनिश्री सुधासागर

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। तीर्थोदय तीर्थ गोलाकोट में निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित पंचकल्याणक महामहोत्सव के दौरान 'तप कल्याणक' पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान होंगे। 23 जनवरी को मुनिश्री के कर-कमलों से भव्य 'जैनेश्वरी दीक्षा' संपन्न होगी। मन की प्रसन्नता ही पुण्य का आधार प्रवचनों की श्रृंखला में मुनिश्री ने कहा, केवल क्रिया (कार्य) करने में धर्म नहीं है। यदि क्रिया करते समय आपके भीतर आनंद का भाव आता है, तभी वह पुण्य में बदलता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जब भी भगवान के दर्शन करें, तो मुख पर मुस्कान होनी चाहिए। अपने आप को भाग्यशाली मानें कि प्रभु चरणों में भक्ति का अवसर मिला। रावण का उदाहरण देते हुए उन्होंने समझाया कि धन, बुद्धि और निरोगी काया यदि अहंकार और अनीति में लगे, तो पतन निश्चित है। जो मिला है उसे गुरु के उपदेश और आत्म-कल्याण के मार्ग में लगाएँ। खाली हाथ न जाएँ मंदिर मुनिश्री ने दान और भक्ति की महिमा बताते हुए कहा कि मंदिर कभी खाली हाथ नहीं जाना चाहिए। जैनी वह है जो मंदिर थाल भरकर ले जाता है और प्रभु के चरणों में समर्पित कर खाली हाथ वापस आता है। मंदिर में चढ़ाया गया 'अर्घ्य' ही अतिशय और पुण्य को बढ़ाता है। अशोकनगर से जाएगा प्रतिनिधिमंडल जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कांसल ने बताया कि 23 जनवरी को प्रातः 7:30 बजे सुभाष गंज प्रांगण से श्री दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के नेतृत्व में समाज का प्रतिनिधिमंडल निजी वाहनों से 'अष्ट मंगल द्रव्य' लेकर गोलाकोट जाएगा। वहां कमेटी द्वारा आचार्य श्री को श्रीफल भेंट किया जाएगा। इस दौरान उपाध्यक्ष अजित वरोदिया, प्रदीप तारई, राजेन्द्र अमन, महामंत्री राकेश अमरोद, मंत्री शैलेन्द्र श्रागर, विजय धुर्रा, संजीव भारिल्य, मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। तप कल्याणक के कार्यक्रम मंत्री विजय धुर्रा के अनुसार, तप कल्याणक के अवसर पर महाराजा नाभिराय का दरबार सजेगा, आदिकुमार का राज्याभिषेक होगा और विभिन्न देशों के राजा भेंट समर्पित करेंगे। इसके पश्चात नीलांजना का नृत्य, उसका वैराग्य प्रेरक निधन और आदिकुमार की जैनेश्वरी दीक्षा मुनिश्री द्वारा संपन्न कराई जाएगी। मुनिश्री ने कहा कि यदि व्यक्ति सब कुछ छोड़कर वैराग्य धारण करे, तो वह भी सिद्ध शिला को प्राप्त कर सकता है।

बीजेएस की सागर इकाई ने नैनागिरि एवं तिंसी के सैकड़ों छात्रों को गर्म वस्त्र किए वितरित

बकस्वाहा (रत्नेश जैन रागी). शाबाश इंडिया। देश के ख्यातिलब्ध 'भारतीय जैन संगठन' (बीजेएस) द्वारा गर्म वस्त्र वितरण अभियान के अंतर्गत बुधवार को ग्राम नैनागिरि (बकस्वाहा) तथा ग्राम तिंसी (बण्डा) के शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों के सैकड़ों विद्यार्थियों को गर्म वस्त्र वितरित किए गए। कड़ाके की ठंड के बीच सहायता पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। नैनागिरि और तिंसी में हुए कार्यक्रम नैनागिरि ग्राम के शासकीय माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित एक सादे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में अध्ययनरत 254 बच्चों को गर्म बनियान (इनर) वितरित किए गए। इससे पूर्व, ग्राम तिंसी स्थित अशासकीय 'जैन पब्लिक स्कूल' में आयोजित कार्यक्रम में 225 बच्चों को गर्म वस्त्र प्रदान किए गए। अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति इन कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में सागर के प्रतिष्ठित अग्रवाल कोचिंग संचालक श्री अग्रवाल, जैन तीर्थ नैनागिरि ट्रस्ट के उपमंत्री अशोक बम्हौरी, बीजेएस जिला इकाई के राकेश सिंघई एवं राजेंद्र जैन (शिक्षक, सागर) उपस्थित रहे। साथ ही प्राचार्य सुमतिप्रकाश जैन, पूर्व सरपंच कांशीराम यादव, अशोक जैन पापेट, सहायक प्रबंधक कन्छेदीलाल, विकास जैन, प्रधानाध्यापक हेलना लकड़ा, सीएसी नारायण सिंह (नैनागिरि) तथा प्रधानाध्यापक अक्षय शुक्ला (तिंसी) सहित दोनों विद्यालयों का स्टाफ और गणमान्य ग्रामीण मौजूद रहे। बीजेएस के प्रांतीय पदाधिकारी एवं सागर संभाग के प्रभारी राजेश रागी (वरिष्ठ पत्रकार, बकस्वाहा) ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग देने वाले सभी महानुभावों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

सखी गुलाबी नगरी की सदस्यों ने किया जैसलमेर भ्रमण, महिला सशक्तिकरण का दिया संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

महिलाओं के सामाजिक व सांस्कृतिक संगठन 'सखी गुलाबी नगरी' के तत्वावधान में 50 महिलाओं के समूह द्वारा आयोजित जैसलमेर भ्रमण यात्रा हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। यह यात्रा महिलाओं में आपसी सहयोग, आत्मविश्वास, अनुशासन और सामूहिक सशक्तिकरण का एक अनुपम उदाहरण बनी। यात्रा के दौरान स्वर्ण नगरी जैसलमेर के विभिन्न ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण किया गया। सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ दर्शनीय स्थलों की जानकारी ली और सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता निभाई। संगठन की इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को दैनिक दिनचर्या से इतर आत्मिक शांति, मनोरंजन और आपसी जुड़ाव का अवसर प्रदान करना था। इस सफल यात्रा का नेतृत्व संस्थापक अध्यक्ष सारिका जैन के मार्गदर्शन में किया गया। संगठन की अध्यक्ष सुषमा जी तथा समन्वयक आशा जैन, दिव्या जैन, ज्योति जैन एवं रुचि जैन के कुशल प्रबंधन और उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के कारण यह पूरा भ्रमण कार्यक्रम अत्यंत सुव्यवस्थित एवं प्रेरणादायक रहा। सभी सहभागी महिलाओं ने इस यात्रा को अविस्मरणीय बताते हुए संगठन के प्रयासों की मुक्त कंठ से सराहना की। सदस्यों ने भविष्य में भी समय-समय पर इसी तरह के भ्रमण कार्यक्रम आयोजित करने का निवेदन किया है।

पूर्वाचार्यों की आत्मा भी प्रश्न करती होगी—हमने किन्हें दीक्षा दे दी?

आज के समय में यह प्रश्न केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि जैन समाज के भीतर उबलती वह पीड़ा है जिसे बहुत से लोग महसूस तो करते हैं, लेकिन कहने का साहस नहीं जुटा पाते। जब हम अपने इतिहास को देखते हैं, तो हमारे पूवाचार्य त्याग, तपस्या, संयम और निर्भीक सत्य के प्रतीक थे। उन्होंने दीक्षा को सम्मान का सिंहासन नहीं, बल्कि आत्मसंयम की कठोर साधना माना। शायद आज वही पूवाचार्य यह सोचते होंगे कि हमने किन्हें दीक्षा देकर समाज के शीर्ष पर बैठा दिया। यह सोच किसी के अपमान के लिए नहीं, बल्कि आत्ममंथन के लिए आवश्यक है। साधु बनने का अर्थ था इच्छाओं का विसर्जन, लेकिन आज कई स्थानों पर साधु पद के माध्यम से इच्छाएँ ही पूरी की जाती दिखाई देती हैं। साधु का जीवन एक 'उदाहरण' होना चाहिए था, लेकिन कहीं-कहीं वह 'निर्देश और दबाव' का माध्यम बन गया है। विनय, क्षमा और करुणा के स्थान पर अहंकार, कठोरता और नियंत्रण का भाव हावी हो रहा है। पूवाचार्यों ने कभी यह नहीं सिखाया कि साधु समाज पर शासन करेगा; उन्होंने सिखाया था कि साधु 'स्वयं' पर शासन करेगा। आज स्थिति यह है कि साधु पद का उपयोग सामाजिक निर्णयों को प्रभावित करने, संस्थाओं को नियंत्रित करने और असहमति को दबाने के लिए किया जा रहा है। जो व्यक्ति तर्कसंगत प्रश्न उठाता है, उसे धर्मविरोधी या द्रोही घोषित कर दिया जाता है। यह प्रवृत्ति न धर्म की है और न ही आचार की; यह केवल सत्ता की भूख का परिणाम है। दीक्षा का मूल उद्देश्य आत्मा की शुद्धि था, न कि प्रभाव क्षेत्र का विस्तार। जब साधु अपने वेश से बड़ा और अपने आचरण से छोटा दिखने लगे, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि चूक कहाँ हुई? क्या दीक्षा देते समय पात्रता की परीक्षा कमजोर पड़ गई या समाज ने आँखें मूंद लीं? साधु का सम्मान इसलिए नहीं होता कि उसने वस्त्र त्यागे हैं, बल्कि इसलिए होता है कि उसने 'विकार' त्यागे हैं। यदि विकार शेष हैं, तो वेश केवल दिखावा है। पूवाचार्य यदि आज होते तो शायद यही कहते कि दीक्षा देना सरल है, लेकिन योग्य पात्र को पहचानना सबसे कठिन तपस्या है। समाज को भी समझना होगा कि धर्म का अर्थ 'मौन' नहीं, 'विवेक' है। जहाँ आचरण गिरता हो, वहाँ प्रश्न उठाना अपराध नहीं, बल्कि धर्म की रक्षा है। यदि आज हम चुप रहते हैं, तो यह चुप्पी आने वाले समय में धर्म को भीतर से खोखला कर देगी। यह लेख किसी व्यक्ति विशेष पर नहीं, बल्कि उस मानसिकता पर है जिसने साधु पद को सुविधा और भय का माध्यम बना दिया है। समय आ गया है कि समाज जागे, अंधभक्ति से बाहर आए और 'साधना' व 'दिखावे' के बीच अंतर करना सीखे। तभी धर्म की वास्तविक गरिमा सुरक्षित रह पाएगी।

– नितिन जैन संयोजकः जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा) जिलाध्यक्षः अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जैन मिलन 'जिनवाणी' ने ईंट-भट्टा श्रमिकों को वितरित किए वस्त्र

भिंड. शाबाश इंडिया। भिंड शहर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था 'भारतीय जैन मिलन महिला जिनवाणी' (क्षेत्र क्रमांक-1) की समाजसेविकाओं द्वारा मुरलीपुरा स्थित ईंट-भट्टों पर जरूरतमंदों के लिए वस्त्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संगठन की अध्यक्ष प्रीति जैन ने बताया कि संस्था पिछले 10 वर्षों से निरंतर सेवा कार्यों में संलग्न है। संगठन द्वारा समय-समय पर जिला अस्पताल में खिचड़ी वितरण, झुग्गी-झोपड़ियों में भोजन वितरण और अत्यंत गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग जैसे सेवा प्रकल्प चलाए जाते हैं।

तीये की बैठक

हमारी प्रिय श्रीमती सुमन जैन (मुन्नी)

का निधन दिनांक 21.01.2026 को हो गया। तीये की बैठक दिनांक 23.01.2026 को प्रातः 10 बजे तोतुका भवन, भट्टारकजी की नसियां जयपुर पर होगी।

शोकाकुलः राजेन्द्र सोनी (पति) विक्रांत- साक्षी (पुत्र- पुत्रवधु) निधि- ललित, पारुल-पुनीत (पुत्री-दामाद) श्रीप्रभा- दीपचंद, मृदुला- पदमचंद (बहन- बहनोई) डा. महेन्द्र, जितेन्द्र (भाई- भतीजा) आदित्य, रिषभ (पौत्र) नील, चार्वी, क्रिश (दोहिता- दोहिती) एवम समस्त सोनी परिवार 9829750984

पीहरपक्षः माणकचन्द, सुभाष, सुबोध, सुधीर, सुमत, अनिल, एवम समस्त बडजात्या परिवार बसवा।

तीये की बैठक

हमारी प्रिय बहिन सुमन जैन (मुन्नी)

पत्नी राजेन्द्र सोनी का स्वर्गवास दिनांक 21.01.2026 को हो गया। तीये की बैठक दिनांक 23.01.2026 को प्रातः 10 बजे तोतुका भवन, भट्टारकजी की नसियां जयपुर पर होगी।

पीहरपक्ष की बीचले दिन की बैठक दिनांक 22.01.2026 को 1 से 3 बजे तक सी-127, मोती मार्ग, बापूनगर पर होगी।

शोकाकुलः माणकचन्द, सुभाष, सुबोध, सुधीर, अशोक, नरेन्द्र, महेन्द्र, अनिल, अश्वनी, जितेन्द्र, श्रेयांस, अभिषेक, अभिनव एवम समस्त बडजात्या परिवार बसवावाले, उषा- निर्मल, मृदुला- सुरेन्द्र, पूर्णिमा- नरेन्द्र (बहन- बहनोई) सोनल-विजय (भतीजी- दामाद) 9414050432

सत्य कलम पुरस्कार समारोह: पत्रकारिता के मूल्यों को समर्पित रहा गरिमामय आयोजन

निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने 47 पत्रकारों को किया सम्मानित, शी सर्कल इंडिया की सराहनीय पहल

उदयपुर. शाबाश इंडिया

सत्य, साहस और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को सशक्त करने की दिशा में 'शी सर्कल इंडिया' (एससीआई) की ओर से रविवार शाम नाकोड़ा पुरम स्थित होटल सितारा ग्रैंड में 'सत्य कलम पुरस्कार समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। लोकतंत्र की पहचान है निष्पक्ष पत्रकारिता: निवृत्ति कुमारी मेवाड़ समारोह की मुख्य अतिथि मेवाड़ राजघराने की निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज की वास्तविक आवाज को मजबूती से सामने लाने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता ही एक स्वस्थ लोकतंत्र की सच्ची पहचान है। सत्य और साहस का सम्मान शी सर्कल इंडिया की संस्थापक तारिका भानुप्रताप ने बताया कि 'सत्य कलम अवॉर्ड' उन पत्रकारों को समर्पित है, जो निष्पक्षता और सामाजिक सरोकारों के साथ कार्य करते हुए समाज को जागरूक कर रहे हैं। यह सम्मान पत्रकारिता के गिरते मूल्यों के बीच ईमानदारी से कार्य करने वालों के लिए एक प्रेरक पहल है। इन पत्रकारों का हुआ सम्मान समारोह में उदयपुर के 47 पत्रकारों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में आनंद शर्मा, अंशुमन, अविनाश जगनावत, भगवान प्रजापत, भूपेंद्र चौबीसा, चंद्रप्रकाश गंधर्व, धीरेंद्र जोशी, दुर्गेश वर्मा, गौरीकांत शर्मा, हेमेंद्र श्रीमाली, कपिल पालीवाल, कैलाश सांखला, कमल वसीटा, कपिल श्रीमाली, किंजल तिवारी, कुलदीप गहलोत, लक्ष्मण गोरन, लकी जैन, मनु राव, निशा राठौड़, ओमप्रकाश पूर्बिया, प्रकाश मेघवाल, प्रकाश शर्मा, प्रमोद गौड़, प्रमोद सोनी, पुष्पेंद्र सिंह, रफीक पठान, राकेश शर्मा 'राजदीप', राजेश वर्मा, रजनी कौर, रजनी शर्मा, रवि मल्होत्रा, रवि शर्मा, आरजे अर्पित, आरजे काव्या, संजय खाब्या, संजीत चौहान, सुभाष शर्मा, सुधा कावड़िया, सुनील पंडित, आरजे सूरी, वरुण सुराणा, शरद लोढ़ा, विजय कुमावत, विप्लव कुमार जैन, योगेश नागदा, यूनुस खान एवं जहीर अब्बास शामिल रहे। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां कार्यक्रम में शिक्षाविद डॉ. प्रदीप कुमावत, रोटेरियन दीपक सुखाड़िया, वरिष्ठ पत्रकार राजेश कसेरा, डॉ. स्वीटी छाबड़ा और मेंटल काउंसलर डॉ. अंजू गिरी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। क्रिएशंस ग्रुप एवं श्रुति स्कूल ऑफ म्यूज़िक की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को और अधिक आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम का संचालन आरजे युग एवं शालिनी भटनागर ने किया।

रिपोर्ट फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

वरुण पथ मानसरोवर जैन समाज के चुनाव संपन्न

जे.के. जैन अध्यक्ष और ज्ञानचंद बिलाला बने मंत्री

13 सदस्यीय नवीन कार्यकारिणी का हुआ चयन, 469 मतदाताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग

जयपुर. शाबाश इंडिया

एशिया की सबसे बड़ी कॉलोनियों में शुमार मानसरोवर स्थित प्राचीन दिगंबर जैन मंदिर, वरुण पथ की 'दिगंबर जैन समाज समिति' के द्विवार्षिक चुनाव (सत्र 2026-28) रविवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए। 469 मतदाताओं ने डाली वोट मुख्य चुनाव अधिकारी सीए उमेश जैन ने बताया कि चुनाव में समाज के कुल 610 पंजीकृत मतदाताओं में से 469 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान प्रक्रिया रविवार सुबह 8:30 बजे प्रारंभ होकर दोपहर 2:00 बजे तक चली। मतगणना कुल 19 राउंड में संपन्न हुई, जिसके बाद देर रात 11:00 बजे परिणामों की घोषणा की गई।

चुनाव परिणामों के अनुसार नवनियुक्त पदाधिकारी इस प्रकार हैं...

अध्यक्ष: जे.के. जैन (126 मतों से विजयी)

उपाध्यक्ष: लोकेश सोगानी (55 मतों से विजयी)

मंत्री: ज्ञानचंद बिलाला (42 मतों से विजयी)

कोषाध्यक्ष: हेमेंद्र सेठी (77 मतों से विजयी)

संगठन मंत्री: सुनील गंगवाल (112 मतों से विजयी)

उपसंगठन मंत्री: राजेंद्र सोनी (30 मतों से विजयी)

कार्यकारिणी सदस्य (सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाले)...

अरविंद गंगवाल (290 मत)

राकेश चंदवाड़ (249 मत)

सुनील गोधा (245 मत)

अनिल जैन सोडा वाले (221 मत)

नवीन बाकलीवाल (212 मत)

अभिषेक जैन बिट्टू (206 मत)

दिनेश जैन नगीना वाले (193 मत)

विजेताओं और चुनाव अधिकारियों का सम्मान परिणामों के पश्चात निवर्तमान अध्यक्ष एम.पी. जैन ने चुनाव अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने मुख्य चुनाव अधिकारी सीए उमेश जैन, सहायक अधिकारी एडवोकेट शैलेंद्र छाबड़ा, पूर्व सीआईडी अधिकारी सुरेश जैन, अजित जैन एवं पदमचंद जैन (भरतपुर वाले) का माला पहनाकर स्वागत किया। इसके साथ ही नवनियुक्त कार्यकारिणी का भी अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों ने आशा व्यक्त की कि नई समिति मंदिर व्यवस्था और सामाजिक कार्यों को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाएगी।

रिपोर्ट: अभिषेक जैन बिट्टू

देश में बाल विवाह प्रथा रोकने का प्रथम संदेश आचार्य शांतिसागर जी ने दिया: आचार्य वर्धमान सागर

निवाई में आचार्य पद प्रतिष्ठापना शताब्दी महोत्सव एवं स्मारक लोकार्पण समारोह में उमड़ा जनसैलाब

निवाई (संवाददाता). शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दो दिवसीय 'आचार्य शांतिसागर बिम्ब प्रतिष्ठा', 'शिखर कलशारोहण' एवं 'आचार्य शांतिसागर स्मारक लोकार्पण' समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जीवंत हुई आचार्य श्री की जीवनी जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि बुधवार सुबह मूलनायक भगवान शांतिनाथ के अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। शताब्दी महोत्सव के अंतर्गत 'आचार्य शांतिसागर पाठशाला' के बच्चों ने नसियां मंदिर में संगीतपूर्ण नृत्य नाटिका ₹एक पथिक की यात्राः सिद्धत्व की ओर₹ की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसमें आचार्य शांतिसागर महाराज की जीवनी और उनके कठोर संयम को दर्शाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लाड़ देवी, रानी जैन, मीना जैन, गोपाल लाल, शंभू कठमाणा, अविनाश

जैन और ऋषभ जैन ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का उद्घाटन किया। स्मारक लोकार्पण एवं कलशारोहण आचार्य शांतिसागर स्मारक के लोकार्पण से पूर्व प्रतिमाओं का पंचामृत अभिषेक किया गया। अभिषेक का सौभाग्य महावीर प्रसाद, शिखर चंद, सुरेश कुमार एवं अशोक जैन (माधोराजपुरा) को प्राप्त हुआ। वहीं, स्मारक के चारों ओर स्थित पट्टाचार्यों की प्रतिमाओं के अभिषेक का सौभाग्य हुकमचंद पारसमल, संजय कुमार (बड़ागांव), ज्ञानचंद वीरेंद्र कुमार (चंवरिया) और रमेश चंद सुशील कुमार (गिन्दोड़ी) को मिला। लोकेश कुमार झिराणा परिवार ने भक्ति भाव के साथ शिखर पर कलशारोहण किया। नवीन स्मारक का लोकार्पण पदमचंद, धर्मचंद और विष्णु कुमार ललवाड़ी परिवार द्वारा किया गया।

आचार्य श्री का मंगल प्रवचन: गुरुकुल और सामाजिक सुधार इस अवसर पर आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा, युग-पुरोधा आचार्य शांतिसागर महाराज ने उस दौर में शिक्षा की महत्ता को समझा और गुरुकुलों की स्थापना पर जोर दिया। उन्होंने ही देश में सबसे पहले बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने का संदेश दिया था। आचार्य श्री ने बताया कि उनकी अक्षुण्ण परंपरा को आचार्य वीर सागर, शिव सागर, धर्म सागर और अजीत सागर जैसे पट्टाचार्यों ने आगे बढ़ाया। इसी परंपरा के सम्मान में देशभर में आचार्य श्री का शताब्दी वर्ष महोत्सव मनाया जा रहा है, जिसके तहत उनके जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्में भी दिखाई जा रही हैं। अतिथियों का सम्मान एवं मंडल विधान प्रवक्ता राकेश संधी ने बताया कि समारोह में 'आचार्य शांतिसागर मंडल विधान' का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ अर्घ्य समर्पित किए। कार्यक्रम में देश-विदेश से आए अतिथियों, जिनमें अनिल सेठी (कलकत्ता), सुरेश सबलावत (श्री महावीर जी), एडवोकेट सुरेंद्र मोहन जैन, पदमचंद बिलाला, सौभाग्यमल अजमेरा और संत कुमार जैन सहित कई गणमान्य जन शामिल थे, उनका राजस्थानी परंपरा अनुसार स्वागत किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन महावीर प्रसाद पराणा एवं पवन बोहरा ने किया।

अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर ने कहा...

अच्छा दिखने के लिए नहीं, अच्छा बनने के लिए जीओ

गायत्री नगर और महावीर नगर में हुई भव्य अगवानी, 25 जनवरी से शुरू होगा चारित्र शुद्धि महामंडल विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

अच्छा दिखने के लिए मत जीओ, अच्छा बनने के लिए जीओ, तभी जीवन सार्थक कहलाएगा। यह भावना रखो कि जब जीवन का अंत हो, तो सामने संत हों, होठों पर अरिहंत का नाम और हृदय में महावीर का पंथ हो। यह प्रेरक उद्गार अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने गायत्री नगर (महारानी फार्म) स्थित दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किए।

स्वस्थ जीवन के चार सूत्र आचार्य श्री ने स्वस्थ जीवन का मार्ग बताते हुए कहा कि तन को स्वस्थ रखने के लिए 'कम' खाना चाहिए, मन के लिए 'गम' खाना चाहिए, जीवन के लिए 'नम' (विनम्र) जाना चाहिए और चेतना को स्वस्थ रखने के लिए प्रभु भक्ति में 'रम' जाना चाहिए। इससे पूर्व उपाध्याय पीयूष सागर महाराज एवं मुनि सहज सागर महाराज ने युवा पीढ़ी को धर्म प्रभावना के लिए आगे आने का आह्वान किया।

13 साल बाद ऐतिहासिक अनुष्ठान आगामी 25 जनवरी से 1 फरवरी तक मानसरोवर के वीटी रोड (शिप्रा पथ) स्थित राजस्थान आवासन मंडल ग्राउंड में 'श्री 1008 चारित्र शुद्धि महामंडल विधान' का आयोजन होगा। आचार्य श्री ने इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह विधान जीवन के ज्ञात-अज्ञात पापों को धोने का उत्तम उपाय है। इस आयोजन में पहली बार 'विवाह अणुव्रत संस्कार शिविर' भी आयोजित किया जाएगा। भव्य अगवानी और विहार इससे पूर्व आचार्य श्री ससंघ का कीर्तिनगर पार्श्वनाथ मंदिर से मंगल विहार हुआ। महावीर नगर स्थित प्रवास समिति कार्यालय पहुंचने पर अध्यक्ष सुभाष चंद जैन, महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा और अन्य पदाधिकारियों ने पाद प्रक्षालन कर भव्य अगवानी की। आचार्य श्री ने महावीर नगर जैन चिकित्सालय का अवलोकन भी किया। तत्पश्चात, गायत्री नगर मंदिर पहुंचने पर महिला मंडल ने सिर पर मंगल कलश धारण कर अगवानी की। मंदिर समिति के अध्यक्ष कैलाश चंद छाबड़ा और महामंत्री राजेश बोहरा ने ससंघ की मंगल आरती उतारी।

आगामी कार्यक्रम

गुरुवार, 22 जनवरी: प्रातः 9:00 बजे गायत्री नगर मंदिर में भव्य धर्मसभा और आचार्य श्री के मंगल प्रवचन।

23 जनवरी: गायत्री नगर मंदिर में ही प्रवास और नियमित धर्मसभा।

24 जनवरी: मीरा मार्ग स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में प्रवेश।

25 जनवरी: मीरा मार्ग मंदिर से विशाल रथयात्रा और 2552 जोड़ों की उपस्थिति में महायज्ञ अनुष्ठान का शुभारंभ।

– विनोद जैन कोटखावदा (महामंत्री)